जीआईएस की उपयोगिता से अवगत कराया

डाटा के राजकीय महिला महाविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

बास। राजकीय कन्या महाविद्यालय डाटा में शुक्रवार को सेवायोजन प्रकोष्ठ की ओर से विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय बरोठा, सोनीपत के सहायक प्राध्यापक डॉ. बिजेंद्र मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने छात्राओं को रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस (जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम) के महत्व और उपयोगों की विस्तृत जानकारी दी।

डॉ. बिजेंद्र ने बताया कि रिमोट सेंसिंग और जीआईएस तकनीक का उपयोग आज के समय में तेजी से बढ़ रहा है। इन आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भौगोलिक, पर्यावरणीय और मौसम संबंधी गतिविधियों की सटीक जानकारी प्राप्त की जाती है। प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन, कृषि विकास, शहरी नियोजन, आपदा प्रबंधन और मौसम पूर्वानुमान जैसे अनेक क्षेत्रों में जीआईएस की अहम भूमिका है।

डाटा के महिला महाविद्यालय में व्याख्यान देते डॉ. बिजेंद्र। स्रोत : संस्थान

उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक युग में तकनीकी ज्ञान रोजगार के नए अवसर प्रदान करता है। छात्राएं रिमोट सेंसिंग व जीआईएस के क्षेत्र में कॅरिअर बनाकर सरकारी और निजी क्षेत्रों में बेहतर संभावनाएं तलाश सकती हैं।

व्याख्यान के दौरान छात्राओं ने विषय से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. बिजेंद्र ने सरल और स्पष्ट रूप से उत्तर दिया। कार्यक्रम में सेवायोजन प्रकोष्ठ प्रभारी अजय कुमार, संदीप कुमार सहित महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

समाज सेवा का पाठ पढ़ाया

हिसार। गुरुकुल धीरणवास में शुक्रवार को वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्कार और समाज सेवा पर जोर दिया गया। आर्य समाज के सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा चरित्र, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व भी विकसित करती है। प्रधान स्वामी आदित्यवेश ने कहा कि देश को ऐसी शिक्षा की जरूरत है जो केवल नौकरी का साधन न हो बल्कि जीवन निर्माण का माध्यम बने। ब्यूरो

छात्राओं को बताए ग्रेजुएशन के बाद कॅरिअर के अवसर

राजकीय कन्या महाविद्यालय डाटा में कॅरिअर गाइडेंस व्याख्यान

नारनौंद। राजकीय कन्या महाविद्यालय डाटा में बुधवार को प्लेसमेंट सेल की ओर से कॅरिअर गाइडेंस के लिए विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय महाविद्यालय सतनाली के सहायक प्राध्यापक डॉ. बजरंग उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद उपलब्ध विभिन्न कॅरिअर अवसरों की जानकारी देते हुए सही दिशा में लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. बजरंग ने अपने व्याख्यान में कहा कि वर्तमान समय में सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों में रोजगार की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, सरकारी सेवाओं के अवसरों तथा निजी क्षेत्र में तेजी से उभरते कॅरिअर विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल स्किल्स, तकनीकी क्षेत्रों और स्टार्टअप संस्कृति में बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल विकास, तकनीकी ज्ञान और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति सफलता की कुंजी है। इसके साथ ही उन्होंने समय प्रबंधन, आत्मविश्वास और लक्ष्य आधारित तैयारी को अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. आशीष ने छात्राओं को प्रेरणा और सकारात्मक सोच के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। संवाद